Title: Need to provide B-2 category status to Jamnagar town for payment of House Rent Allowance to Government employees.

श्री चन्द्रेश पटेल (जामनगर) : अध्यक्ष महोदय, गुजरात के जामनगर शहर की पोपुलेशन अब करीब ६-७ लाख की होने के कारण जामनगर के सरकारी कर्मचारियों को एच.आर.ए. क्लास बी-२ के अनुसार नहीं दिया जाता जबकि एच.आर.ए. बी-२ का क्राइटीरिया पोपुलेशन का तीन लाख पचत्तर हजार है। जामनगर को स्पेशियल केस गिनकर १.१.१९८१ से सी.सी.ए. दिया जाता है। जब भी सांसद एवं संस्था केन्द्र को रैप्रिजेन्टेशन करते हैं, तो जवाब दिया जाता है कि १९९१ के सेन्सस के अनुसार जामनगर की बस्ती ३,७५,००० है। अब १९९१ नहीं है, अब १९९८ है, १९९९ आने वाला है, तो स्पेशल केस गिनकर बी-२ बनाकर एच.आर.ए. दीजिए।

मैंने एवं जामनगर के सरकारी यूनियन एसोसियेशन चैम्बर ऑफ कॉमर्स म्यूनिसपल कार्पोरेशन गुजरात सरकार विभिन्न संस्थाओं ने सरकार को पत्र लिखे, प्रस्ताव किया, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ है।

रीलायन्स इंडस्ट्रीज, एस.आर. उद्योग एवं अनेक उद्योग वहां अभी-अभी आए हैं। ४० हजार करोड़ रुपए का इन्वेस्टमैंट उनके हुए जिससे उनके डेढ़ लाख मजदूर कर्मचारी बाहर से वहां आए। आर्मी, नेवी एवं हवाई जहाज कर्मी की संख्या भी एक लाख पच्चीस हजार की है, जो उपरोक्त १९९१ के सेन्सस में गिनी नहीं क्योंकि सिक्योरिटी की वजह से सेन्सस कर्मचारियों को गिनती करने अन्दर नहीं जाने दिया। एशिया में सबसे बड़ी औद्योगिक बस्ती जामनगर है। गुजरात में सबसे ज्यादा मकान का किराया जामनगर का अब है। स्क्वेयर फीट जगह का मकान का किराया करीब १२ रुपया है। विश्व प्रसिद्ध यात्रा धाम द्वारका एवं कृष्ण भगवान सुदामा जी ने चावल जो दिया, वह ओखा बेंट पवित्र स्थान पर देश-विदेश से हर साल यहां लाखों यात्री आते हैं। इन सब प्रमाणों के बावजूद जामनगर को बी-२ सरकारी कर्मचारियों को एच.आर.ए. नहीं दिया जाता।

इसलिए अब पूरा शहर सारे कर्मचारी, चैम्बर ऑफ कॉमर्स वगैरह द्वारा पूर्ण हड़ताल, भूख हड़ताल, धरना, घेराव, रास्ता रोको आन्दोलन की संभावना है।

अतः केन्द्र सरकार से प्रार्थना है कि जामनगर को बी-२ स्पेशल गिनकर सबको एच.आर.ए. दिया जाए।